हाथरस से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
'भव्य प्रभात'
विज्ञापन व समाचार के लिये सम्पर्क करें–
कार्यालय
7–ऊपरी मंजिल बागला डिग्री कालेज,हाथरस
9319426268,9410427880
Email:-bhavyaprabhat@gmail.com

हाथरस से प्रकाशित दैनिक

भव्य प्रभात

खबर,सच्चाई के साथ

वर्ष 18, अंक 205 | 23 जुलाई 2025 बुधवार हाथरस | पृष्ठ 8 | मूल्य–2/–रूपये स्वागत मूल्य 1/–रूपये

'यूपी परमात्मा की कृपा वाला प्रदेश'

सीएम योगी बोले– यूपी में वर्तमान कृषि उत्पादन से तीन गुना अधिक करने की क्षमता

लखनऊ,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के 36वें स्थापना दिवस के अवसर पर लखनऊ में आयोजित कृषि वैज्ञानिक सम्मान समारोह एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी के कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिकों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज भी यूपी में सर्वाधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र कृषि है। लगभग तीन करोड़ किसान कृषि पर निर्भर करते हैं। इसके बाद सर्वाधिक रोजगार एमएसएमई दे रहा है। इसके माध्यम से 1.65 करोड़ लोग रोजगार प्राप्त करते हैं। सीएम ने कहा कि कृषि पलायन का नहीं, बल्कि खुशहाली का माध्यम बने। यह तभी संभव है, जब इस क्षेत्र में किए जाने वाले अनुसंधान का लाभ किसानों को दे पाएंगे। सीएम ने कहा कि यूपी विकसित होता है तो भारत को विकसित होने से कोई ताकत रोक नहीं सकती। हर व्यक्ति अपने क्षेत्र में ईमानदारी से प्रयास करता है तो उस लक्ष्य को प्राप्त करने में कोई दिक्कत नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने उप्र कृषि अनुसंधान परिषद के 36वें स्थापना दिवस में शिरकत की। सीएम ने प्रदर्शनी का अवलोकन और पुस्तिकाओं–न्यूज लेटर का विमोचन किया। उन्होंने राष्ट्रीय संगोष्ठी श्विकसित कृषि–विकसित उत्तर प्रदेश/ 2047श में अपने विचार भी रखे। सीएम ने कृषि वैज्ञानिकों, युवा प्रतिभाओं, एफपीओ आदि का सम्मान भी किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कृषि व कृषि अनुसंधान की दृष्टि से यूपी प्रकृति व परमात्मा की कृपा वाला प्रदेश है। हमारे पास विस्तृत और उर्वरा कृषि भूमि, पर्याप्त जल संसाधन है। दुनिया में यूपी एकमात्र ऐसा राज्य होगा, जिसका 86 फीसदी से अधिक भूभाग सिंचित है। यहां केंद्र व राज्य सरकार के कृषि विश्वविद्यालयों का बेहतरीन संजाल है। यूपी सरकार पहले से चार कृषि विवि संचालित कर रही है। पांचवां विवि भी स्थापित हो रहा है। केंद्र सरकार द्वारा भी प्रदेश में पहले से ही कृषि विवि संचालित हो रहे हैं और कृषि अनुसंधान के लिए 15 से अधिक संस्थान कार्यरत हैं। 89 कृषि विज्ञान केंद्र भी अपनी विशेषज्ञता का लाभ किसानों को प्रदान करते हैं। इसके बावजूद किसानों की स्थिति चौंकाने वाले तथ्य प्रस्तुत करती है। प्रदेश के बमुश्किल 25 से 30 फीसदी किसान ही ऐसे हैं, जो वैज्ञानिक शोध व अनुसंधान के कार्यों को प्रभावी ढंग से खेती में लागू कर पा रहे हैं। यूपी की भूमि से तीन गुना अधिक लिया जा सकता उत्पादन उन्होंने कहा कि देश की आबादी का 16 फीसदी हिस्सा यूपी में निवास करता है। देश के कृषि योग्य कुल भूमि का केवल 11 फीसदी यूपी में है। इस भूमि पर देश का 20 फीसदी से अधिक खाद्यान्न उत्पादन हो रहा है।

बादलों की मार से बेहाल घाटी, घरों तक पहुंचा पानी, पुंछ में भूस्खलन

पुंछ/राजोरी,(एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के पुंछ और राजोरी जिलों में भारी बारिश के चलते भूस्खलन और जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है, जिससे पुंछ–जम्मू हाईवे बंद और सभी स्कूल आज बंद कर दिए गए हैं। जम्मू–कश्मीर के पुंछ और राजोरी जिलों में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। पुंछ जिले की सुरनकोट तहसील के मदाना क्षेत्र में सोमवार देर रात से जारी बारिश के कारण आज सुबह भूस्खलन हुआ। इसके चलते पुंछ–जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, राजोरी जिले में भी हालात बिगड़ते नजर आ रहे हैं। लगातार बारिश के चलते धारहाली और सकतोह नदियों में जलस्तर काफी बढ़ गया है, जिससे कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों को आज बंद रखने का आदेश दिया है। जलभराव से जनजीवन अस्त–व्यस्त राजोरी के निचले इलाकों में जलभराव की समस्या से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन और राहत टीमों की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है। अब तक किसी प्रकार की जनहानि या बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। बीआरओ की सड़क मरम्मत और जल निकासी कार्य में तेजी राजोरी जिले के कोटरंका, समोट और बुधल जैसे पहाड़ी इलाकों में जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन (BRO) की टीमें सक्रिय हैं।

बीआरओ के इंजीनियर संजय शर्मा ने बताया कि बाजार क्षेत्रों में जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कंक्रीट पैवमेंट बनाए जा रहे हैं और क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का काम तेजी से किया जा रहा है। जम्मू शहर में भी भूस्खलन की आशंका उधर, जम्मू शहर के पीरखो क्षेत्र के वार्ड नंबर तीन में दोपहर करीब 3रू00 बजे भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ। इसके चलते आसपास के दो–तीन मकानों की दीवारें हिल गई हैं और रात में फिर से बारिश होने की स्थिति में बड़ा हादसा होने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय प्रशासन ने सतर्कता बरतने और आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है।

बोइंग ने भारत को तीन अपाचे हेलिकॉप्टर सौंपे, सेना की बढ़ेगी ताकत

क्या है अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर, 2015 में हुआ था समझौता

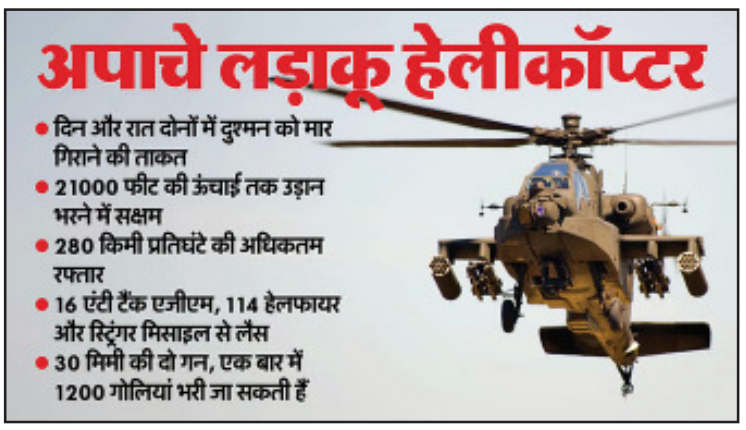

नई दिल्ली,(एजेंसी)। अपाचे दुनिया का सबसे उन्नत लड़ाकू हेलीकॉप्टर है। फरवरी 2020 में भारत ने अमेरिकी कंपनी बोइंग से 60 करोड़ डॉलर के सौदे में छह ।भ्—64म् अपाचे की खरीद को मंजूरी दी थी। अब भारत को इन हेलीकॉप्टर की डिलीवरी मिली है। आइए जानते हैं अपाचे हेलीकॉप्टर की खासियत...। दुनिया का सबसे उन्नत लड़ाकू हेलीकॉप्टर अपाचे भारतीय वायुसेना की ताकत में इजाफा करेगा। बोइंग कंपनी द्वारा निर्मित अपाचे हेलीकॉप्टर भारत आ गए हैं। भारतीय सेना ने बताया कि अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर की डिलीवरी हो गई है। भारतीय सेना इन हेलीकॉप्टरों को जोधपुर में तैनात करेगी। हालांकि, यह आपूर्ति करीब 15 महीने की देरी के बाद की गई है। आइए जानते हैं क्या है अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर की खासियत...। क्या है अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर अपाचे दुनिया का सबसे उन्नत लड़ाकू हेलीकॉप्टर है। यह एक नाइट विजन एयरक्राफ्ट है। अमेरिकी रक्षा दिग्गज कंपनी बोइंग द्वारा निर्मित यह हेलीकॉप्टर आधुनिक संचार, नेविगेशन, सेंसर और हथियार प्रणाली से लैस है। यह एक नाइट विजन एयरक्राफ्ट है। साथ ही पायलटों को दिन और रात दोनों स्थितियों में लक्ष्यों की पहचान करने और उन पर हमला करने में मदद करता है। इसके जरिये बारिश, धूल या कोहरे के कारण खराब दृश्यता में भी हमला किया जा सकता है। बोइंग के मुताबिक अपाचे 21 हजार फीट की ऊंचाई तक 280 किमी प्रतिघंटे की अधिकतम रफ्तार से उड़ान भर सकता है। इसमें 16 एंटी टैंक एजीएम–114 हेलफायर मिसाइल छोड़ने की क्षमता है। इसमें 30 मिलीमीटर की दो गन हैं, जिनमें एक बार में 1,200 गोलियां भरी जाती हैं।

अपाचे में 16 एंटी टैंक एजीएम–114 हेलफायर और स्ट्रिंगर मिसाइल लगी होती हैं। हेलफायर मिसाइल किसी भी आर्मर्ड व्हीकल जैसे टैंक, तोप, बीएमपी वाहनों को पल भर में उड़ा सकती है। 2015 में हुआ था समझौता भारत ने 2015 के एक समझौते के तहत भारतीय वायु सेना के लिए 22 अपाचे हेलीकॉप्टर खरीदे थे। इसके बाद फरवरी 2020 में भारत ने बोइंग से 60 करोड़ डॉलर के सौदे में छह ।भ्—64म् अपाचे की खरीद को मंजूरी दी थी। अब भारत को मिले अपाचे हेलीकॉप्टर भारतीय सेना की एविएशन कोर के लिए हैं। अपाचे वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, इस्राइल, मिस्र जैसे देशों की सेनाओं में इस्तेमाल किए जाते हैं।

शासन का बड़ा फैसला

गैर विवादित मामलों में 45 दिन के अंदर करना होगा दाखिल खारिज, डीएम होंगे जिम्मेदार

लखनऊ। जमीनों की रजिस्ट्री के बाद विवाद न होने की दशा में उस जमीन का दाखिला खारिज 45 दिनों के अंदर करना होगा। विवादित मामलों में 60 दिन में फैसला करना होता है। जमीनों के दाखिल खारिज में देरी होने पर अब डीएम और कमिश्नर भी जिम्मेदार होंगे। राजस्व संहिता में दी गई व्यवस्था के आधार पर गैर विवादित मामलों में 45 दिन नामांतरण करना होगा। विवादित मामलों में 90 दिनों में फैसला देना होगा। दाखिल खारिज मामले में देरी होने पर हाईकोर्ट ने सख्त नाराजगी जताई है। इस पर प्रमुख सचिव राजस्व पी गुरुप्रसाद ने शासनादेश जारी करते हुए मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश भेजे हैं। इसमें कहा गया है कि राजस्व संहिता–2006 की धारा 34ध्35 के तहत अंतरण मामलों में अविवादित नामांतरण का वाद 45 दिनों और विवादित होने पर 90 दिनों में निस्तारित किया जाएगा। शासन द्वारा इस संबंध में समय–समय पर शासनादेश भी जारी किया जाता रहा है। शासन की जानकारी में आया है कि कई जिलों में इसका पालन नहीं किया जा रहा है। नामांतरण वादों का समय से निस्तारण नहीं किया जा रहा है। इसके चलते हाईकोर्ट में रिट याचिकाएं दाखिल हो रही हैं। हाईकोर्ट ने इस पर नाराजगी जताई है। इसलिए धारा–34 के तहत प्राप्त, लेकिन पंजीकरण के लिए लटके मामलों का आरसीसीएमएस पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराया जाएगा। प्रार्थनापत्र लटकाने वालों पर होगी सख्ती जानबूझकर प्रार्थना पत्रों को लटकाए रखने वाले कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। नामांतरण वादों के समय व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण तय समय के अंतर्गत निस्तारण किया जाएगा। दाखिल खारिज संबंधित गैर विवादित मामलों में 45 दिनों से अधिक का समय न लगाया जाए। हाईकोर्ट की ओर से वादों को निस्तारण करने संबंधी दिए गए आदेशों वाले मामलों की सुनवाई तिथि नियत कर प्रतिदिन सुनी जाएगी। मंडलायुक्त और जिलाधिकारी अपने स्तर से कार्ययोजना बनाकर नामांतरण के लिए लंबित मामलों को देखेंगे। वादों के समय से निस्तारित कराने के लिए समीक्षा की जाएगी। मंडलायुक्त व जिलाधिकारी तहसीलों के अधीनस्थ पीठासीन अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश देंगे। इस निर्देश की अवहेलना करने वाले पीठासीन अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने संबंधी प्रस्ताव शासन के साथ राजस्व परिषद को उपलब्ध कराया जाएगा। क्या होता है दाखिल खारिज जब जमीन की बिक्री या दान के चलते स्वामित्व परिवर्तित होता है तो राजस्व रिकॉर्ड में नाम परिवर्तन किया जाता है। इस प्रक्रिया को दाखिल खारिज किए जाना कहा जाता है। दरअसल इसमें राजस्व रिकॉर्ड में नामांतरण होता है। उत्तराधिकार के नियमों के तहत भी यह नामांतरण होता है।

अखण्ड आर्यावर्त आर्य महासभा ने किया संगठन का विस्तार

लखनऊ,(यूएनएस)। राष्ट्रीय संगठन अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा द्वारा सनातनी समाज को मजबूत कर सशक्त हिन्दू राष्ट्र निर्माण के अभियान में तेजी लाने के लिए कुर्सी रोड स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित बैठक में संगठन विस्तार पर जोर देते हुए पंकज कुमार को राष्ट्रीय संयोजक, चंद्रमौली शुक्ला को प्रदेश अध्यक्ष एवं सुमन उपाध्याय को प्रदेश मंत्री मनोनीत किया गया। वहीं सनातन बोर्ड गठन को लेकर पुरजोर के साथ मांग उठाई गयी। आर्य महासभा त्रिदंडी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा मनोनीत किये गये पदाधिकारियों को राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी द्वारा मनोनयन सौंपा गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने कहा कि अखण्ड आर्याव्रत आर्य त्रिदंडी महासभा, ब्रहमलीन रामानुज जीयर स्वामी त्रिदंडी जी महाराज द्वारा दिये गये नारे "जात पात की करो विदाई–हिन्दू हिन्दू भाई भाई" के साथ कभी आर्यावृत कहे जाने वाले गौरवमयी भारतवर्ष को सशक्त हिन्दू राष्ट्र बनाने हेतु सनातनी समाज को जाग्रत करने के संकल्प को पूरा करने के लिये बनाया गया संगठन है। जो कि राजनैतिक ना होते हुये भी ऐसे सनातनी योद्धाओं को राजनीति के प्रति प्रेरित करेगा जो सत्य सनातन धर्म को मजूबत कर भारतवर्ष को हिन्दू राष्ट्र बनाने की विचारधारा में सहयोग रखेगा। बैठक में बाबा महादेव, सिद्धार्थ दुबे, श्रीराम तिवारी, विकास पांडेय, अनीता तिवारी, अंकेश चौहान, प्रकाश श्रीवास्तव, शैलेन्द्र श्रीवास्तव–एडवोकेट, अरविंद मिश्रा, श्रवण मिश्रा सहित राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर के कई पदाधिकारी एवं मुख्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिजली कर्मियों ने ऊर्जा मंत्री का घर घेरा,एके शर्मा ने मिलने से किया इनकार

लखनऊ,(यूएनएस)। उत्तर प्रदेश में बिजली कर्मियों का गुस्सा अब उबाल पर है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर आज कर्मचारियों ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के घर आवास का घेराव किया। ऊर्जा मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ऊर्जा मंत्री ने प्रदर्शनकारियों से मिलने से इनकार कर दिया। इससे उनका गुस्सा और बढ़ गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बिजली विभाग हमारा और आपका, नहीं किसी के बाप का। कर्मचारियों ने ऊर्जा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। इस मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात रही। दरअसल, बिजली के निजीकरण और 10 मिनट बिजली गुल होने पर चीफ इंजीनियर से लेकर जूनियर इंजीनियर तक पर की गई कार्रवाई का बिजली कर्मी विरोध कर रहे हैं।ऊर्जा मंत्री के आवास पर सुबह से ही बड़ी संख्या में कर्मचारियों का जुटना गया था। 12 बजे तक बड़ी संख्या में बिजली कर्मी जुट गए। मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने के लगे।

होटल में आधी रात मर्डर,गर्लफ्रेंड से मिलने पहुंचे युवक ने गोली मारी

लखनऊ,(यूएनएस)। राजधानी लखनऊ में सोमवार देर रात होटलकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी युवक विकल्प खंड के होटल ईशान इन में गर्लफ्रेंड से मिलने पहुंचा था। तभी उसकी स्टाफ कर्मी से बहस हो गई। इसके बाद उसने गर्लफ्रेंड के सामने ही तीन फायर किए, जिसमें एक गोली दिवाकर के गले में जा लगी। पुलिस ने आरोपी युवक और युवती को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि युवती ने कॉल करके युवक को बुलाया था। दिवाकर की युवक से बहस हुई थी। उसके बाद दोनों वहां से चले गए। कुछ देर बाद दोबारा आते ही दिवाकर को गोली मार दी। बाराबंकी निवासी देवेंद्र मिश्रा और उदयसेन यादव का पार्टनरशिप में विकल्प खंड में ईशान इन होटल है। जयसिंहपुर, सुल्तानपुर निवासी दिवाकर यादव (20) होटल में काम करता था। इसी होटल में गोरखपुर निवासी खुशी ठहरी थी।उदयसेन यादव ने बताया कि सोमवार रात 12.30 से 1 के बीच देवेंद्र मिश्र, शुभम शर्मा, होटलकर्मी राहुल, उदय प्रताप सिंह सब लोग खड़े थे। तभी होटल में रुकी युवती नशे की हालत में फोन पर बात करते हुए बाहर निकली। इस बीच उसको लेने आए बॉयफ्रेंड ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। गोली सीधे दिवाकर के गले में लगी। इसके बाद आरोपी बाइक छोड़कर फरार हो गया। दिवाकर को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई।पुलिस के मुताबिक, आरोपी युवक की पहचान गोसाईंगंज अयोध्या निवासी आकाश तिवारी पुत्र विनोद तिवारी के रूप में हुई। वह लखनऊ में कांतिपुरम कॉलोनी मटियारी पर किराए।

मालिक मुद्रक, प्रकाशक, आशीष सेंगर द्वारा विभा प्रिंटर्स मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग,हाथरस से मुद्रित एवं प्रधान कार्यालय मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग सरस्वती कुंज हाथरस से प्रकाशित।
RNI- UPHIN/2007/23475
सम्पादकः अंजली शर्मा
मो. 9410427880 09319426268
Email:-
bhavyaprabhat@gmail.com
समस्त समाचारों के चयन एवं उनसे उत्पन्न विवादों के लिये पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार।
समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र हाथरस होगा।

छपाई छपाई
बिल बुक,लेटर पैड,पम्पलेट
पोस्टर,शादी कार्ड,अखबार
आधुनिक कम्प्यूटराइज्ड मशीन द्वारा साफ सुन्दर एवं कलात्मक छपाई
विभा प्रिन्टर्स
मुंशी गजाधर सिंह मार्ग,अलीगढ़ रोड, हाथरस
मो० 9410427880 ,9319426268

सादाबाद पुलिस ने चोरी की घटना कारित करने वाले एक चोर को किया गिरफ्तार कब्जे से चोरी का कश्वपर तार व पाईप कश्वपर बरामद

हाथरस। 19 जुलाई को विजय कुमार पुत्र नंदकुमार निवासी बमनई थाना मुरसान द्वारा थाना सादाबाद पर सूचना दी कि उसने भार्गव कॉलोनी मे अपना घर बनाया है जिसमे से रात्रि 19 जुलाई को अज्ञात चोर द्वारा कॉपर के तार आदि सामान चोरी कर लिया है । जिसके सम्बन्ध में वादी की प्राप्त लिखित तहरीर के आधार पर थाना सादाबाद पर सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किया गया था । पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा उक्त घटना का सफल अनावरण करने व घटना कारित करने वाले अभियुक्तगण की गिरफ्तारी हेतु थाना प्रभारी सादाबाद को निर्देशित किया गया था द्य जिसके क्रम में थाना सादाबाद पुलिस द्वारा सूचना पर कार्यवाही करते हुए एक चोर को सलेमपुर बम्बे से गिरफ्तार किया गया । जिसका नाम अनिल कुमार पुत्र राजवीर सिंह निवासी कुरसण्डा थाना सादाबाद जनपद हाथरस है। जिसके कब्जे से 2 किलो 700 ग्राम कॉपर तार व पाईप कॉपर बरामद हुआ है । अभियुक्त की गिरफ्तारी एवं बरामदगी के सम्बन्ध में थाना सादाबाद पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है ।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम के नाम थानाध्यक्ष योगेश कुमार मय टीम थाना सादाबाद जनपद हाथरस है।

जिला स्तरीय जूनियर बालक व बालिका टेबल टेनिस का ट्रायल

हाथरस। उप क्रीड़ा अधिकारी, हाथरस ने अवगत कराया है कि दिनांक 04 से 06 अगस्त, 2025 तक आगरा में आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक,बालिका टेबल टेनिस प्रतियोगिता से पूर्व आज दिनांक 22.07. 2025 कलेजिला खेल कार्यालय, हाथरस द्वारा जिला स्तरीय जूनियर बालक , बालिका टेबल टेनिस का चयन,ट्रायल विनायक इण्टरनेशनल स्कूल, हाथरस में उप क्रीड़ा अधिकारी, श्री काशी नरेश यादव द्वारा आयोजित करायी गयी, तथा मण्डलीय चयन , ट्रायल्स दिनांक 23 जुलाई, 2025 को अहिल्याबाई होल्कर स्पोर्ट्स स्टेडियम, अलीगढ में होगी ।इस अवसर पर विद्यालय की प्राधानाचार्या श्रीमति चारू गुप्ता व उपप्रधानाचार्य श्रीमति करीना सिंघल विद्यालय के पी०टी०आई० श्री विवेक कुमार गुप्ता उपस्थित रहे, तथा जिला स्तरीय टीम के बालक वर्ग में दिव्य चौधरी, आर्यन हिण्डोल व बालिका वर्ग में साक्षी, निशा चौधरी का चयन किया गया।

गायत्री शक्तिपीठ चिनौर में हुआ वृक्षारोपण

शाहजहाँपुर। जिला केंद्र गायत्री शक्तिपीठ युवा प्रकोष्ठ के सदस्यों द्वारा फलदार पौधों अमरूद,अनार, आंवला गायत्री शक्तिपीठ चिनौर के परिसर में वृक्षारोपण किया गया। सभी ने पौधों के लगाने के साथ उनका संरक्षण का भी संकल्प लिया।इस अवसर पर जिला समन्वयक सूरज वर्मा ने कहा कि अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा संचालित वृक्ष गंगा अभियान एक ऐसा अभियान है जिसमें कोई भी व्यक्तिजो अपनी मातृभूमि एवं प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना रखता हैसहज सहयोगी बन सकताहै।गायत्री परिवारका वृक्षारोपण मासगुरु पूर्णिमासे शुरू हुआ जोजन्माष्टमी तक चलेगा। सभी परिजनों से वृक्ष गंगा अभियान से जुड़ने का आवाहन किया।वरिष्ठ गायत्री परिजन राधेलाल मौर्य ने शक्तिपीठ पर बरगद का एक पौधा दिया जिसे वह पिछले पांच वर्षों से बड़े गमले में संरक्षित कर रहे थे। इसके साथ सभी युवा प्रकोष्ठ सदस्यों को स्पंजी ग्रास के पौधे उपहार स्वरूप दिए।वृक्षारोपण कार्यक्रम में शक्तिपीठ प्रकोष्ठ, शक्तिपीठ युवाप्रकोष्ठ सदस्यों के साथ गायत्री शक्तिपीठ चिनौर शक्तिपीठ ट्रस्टी संगीता परिवाजक सियानंद एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता सीताराम उपस्थित रहे।

आर्जव मिश्रा ने यूजीसी की असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा पास की

शाहजहांपुर। तिलहर के नगर के मेन बाजार निवासी पत्रकार अनुराग मिश्रा एंव कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की वार्डन शिप्रा मिश्रा के होनहार श्रेष्ठ पुत्र आर्जव मिश्रा ने यूजीसी की नेट परीक्षा क्वालीफाई कर नगर का नाम रोशन किया है। यूजीसी की नेट परीक्षा में फॉरेंसिक साइंस विषय में असिस्टेंट प्रोफेसर और पीएचडी के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में आर्जव मिश्रा को सफल घोषित किया गया है। आर्जव को इस सफलता पर शुभचिंतकों व इष्ट मित्रों ने शुभकामनाएं दी हैं। आर्जव मिश्रा ने अपनी शिक्षा की शुरुआत तिलहर के रेनेसां एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल से करने बाले आर्जव आरवीएम इंटर कॉलेज तिलहर के हिंदी प्रवक्ता स्वर्गीय मूंगा लाल मिश्रा के पौत्र है हिन्दी व अंग्रेजी पर अपनी अच्छी पकड़ रखने वाले मेधावी छात्र आर्जव ने हाई स्कूल से एमएससी फॉरेंसिक साइंस तक सभी परीक्षाएं प्रथम श्रेणी में विद ऑनर्स पास की हैं । आर्जव को कविताएं लिखने का भी शौक है उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता गुरुजनों अपने शुभचिंतकों को दिया है। उनकी सफलता पर असीम मिश्रा, परशुराम सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश शर्मा, डॉ सत्येंद्र प्रकाश शर्मा, विवेक शर्मा अंशु, नीरज शर्मा एडवोकेट, भगवानदास उर्फ भगत जी, राजेश कुमार मिश्रा, डॉ प्रमोद मिश्रा, संजीव शर्मा, अनुज यादव उर्फ सोनू ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

पुलिस अधीक्षक ने पटना देवकली मंदिर का किया निरीक्षण'

शाहजहांपुर। श्रावण मास के द्वितीय सोमवार को जिले भर के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इसी क्रम में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक शाहजहांपुर ने थाना कलान क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध पटना देवकली मंदिर का निरीक्षण किया और विधिवत पूजा–अर्चना भी की। निरीक्षण के दौरान उनके साथ अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), अपर पुलिस अधीक्षक (नगर), क्षेत्राधिकारी जलालाबाद तथा क्षेत्राधिकारी प्रशिक्षु भी मौजूद रहे।अधिकारियों ने मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्थाओं, भीड़ नियंत्रण, सीसीटीवी निगरानी, बैरिकेडिंग एवं प्रवेश–निकासी मार्गों की गहन समीक्षा की। इस दौरान मंदिर परिसर में तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए तथा मंदिर प्रबंधन समिति व पुजारियों से भी संवाद कर व्यवस्थाओं की।

सीडीओं को उप कृषि निदेशक कार्यालय में मिली गंदगी, मृदा परीक्षण प्रयोगशाला में दो कर्मचारी मिले अनुपस्थिति

हाथरस। मुख्य विकास अधिकारी पी0एन0दीक्षित ने प्रातः उप कृषि निदेशक, कार्यालय हाथरस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय उप कृषि निदेशक, हाथरस कार्यालय में उपस्थित नहीं मिले। उप कृषि निदेशक, से फोन पर वार्ता की गई उनके द्वारा अवगत कराया गया कि वह सादाबाद में फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा कर रहे हैं। उप कृषि निदेशक कार्यालय परिसर में काफी झाड़ी एवं घास हो रही है, परिसर की सफाई की आवश्यकता है, तत्काल सफाई कराई जाए। एक जीप गाड़ी जो कि निष्प्रयोज्य हालत में परिसर में खड़ी है, निष्प्रयोज्य सम्बन्धी अग्रेतर कार्यवाही करायें। कार्यालय के अन्दर काफी गन्दगी मिली, डस्टबिन में कूड़ा मिला। छत की ओर जाने वाले सीढियों पर काफी पुस्तकें रखी मिलीं, जिनका कृषकों में वितरण किया जाना है, उप कृषि निदेशक, तत्काल पुस्तकों का कृषकों में वितरण कराया जाना सुनिश्चित करें। उप कृषि निदेशक कार्यालय में श्री हरिओम शर्मा, व0प्रा0स0, श्रीमती किरन क0स0 तथा श्री सुलेमान चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, अनुपस्थित मिले। अनुपस्थित कर्मचारियों का आज दिनांक 22–07–2025 का वेतन अग्रिम आदेशों तक रोका जाता है। उप कृषि निदेशक, अनुपस्थित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त कर अपनी स्पष्ट टिप्पणी के साथ पत्रावली पर प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। उपस्थित कर्मचारियों में कोई भी कर्मचारी फार्मर रजिस्ट्री के सम्बन्ध में जानकारी नहीं दे सका। निरीक्षण के समय उपस्थित कम्प्यूटर आपरेटर श्री अरूण राजपूत से फार्मर रजिस्ट्री की सूचना ली गई। पी0एम0 किसान योजना के 218803 लाभार्थियों में 117774 रजिस्ट्रेशन किये गये हैं, जो 53.83 प्रतिशत है, उप कृषि निदेशक को निर्देशित किया जाता है कि फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति में सुधार लायें और जुलाई माह तक शतप्रतिशत प्रगति कराया जाना सुनिश्चित करें। मृदा परीक्षण प्रयोगशाला कार्यालय परिसर में मृदा परीक्षण प्रयोगशाला का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय श्री कैलाश सिंह प्रयोगशाला प्रभारी उपस्थित मिले। निरीक्षण के समय मृदा परीक्षण का कार्य किया जा रहा था, अगवत कराया गया कि लगभग 100 मृदा परीक्षण प्रतिदिन किया जाता है। इस प्रयोगशाला में तैनात श्री आजाद खॉ प्रा0स0 एवं श्रीमती मंजू सिंह वरिष्ठ सहायक अनुपस्थित मिलीं। अनुपस्थित कर्मचारियों का आज दिनांक 22–07–2025 का वेतन अग्रिम आदेशों तक रोका जाता है, उप कृषि निदेशक,शोध। अलीगढ़ अनुपस्थित कर्मचारियों का स्पष्टीकरण प्राप्त कर, अपनी स्पष्ट टिप्पणी साथ स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

पुलिस अधीक्षक ने थाना सहपऊ मे नवनिर्मित महिला हेल्प डेस्क व आगंतुक कक्ष का रिबन काटकर उद्घाटन किया, प्रशासनिक भवन व थाना प्रभारी कक्ष का जीर्णोद्धार किया

हाथरस। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा व अपर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार द्वारा थाना सहपऊ परिसर मे नवनिर्मित महिला हेल्प डेस्क व आगंतुक कक्ष का रिबन काटकर उद्घाटन तथा प्रशासनिक भवन व थाना प्रभारी कक्ष का जीर्णोद्धार किया गया । इस दौरान क्षेत्राधिकारी सादाबाद अमित पाठक,क्षेत्राधिकारी कार्यालय श्यामवीर सिंह, क्षेत्राधिकारी सिकंद्राराऊ श्री जे0एन0 अस्थाना,थाना प्रभारी थाना सहपऊ व थाना सहपऊ के अधिकारी, कर्मचारीगण आदि मौजूद रहे ।पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि महिला हेल्प डेस्क पर 24'7 घण्टे महिला आरक्षी की ड्यूटी रहती है । जिनसे क्षेत्र की महिलाए अपनी किसी भी समस्या अथवा शिकायतों को बिना झिझक के साझा , दर्ज करा सकती है तथा महिला हेल्प डेस्क पर महिलाओं व बालिकाओं के लिए बनाये गये कम्प्यूटर सुविधा केंद्र की सुविधा भी उपलब्ध होगी, जहां कोई भी आकर अपनी जॉब अथवा किसी प्रकार के फॉर्म भर सकता है। कंप्यूटर सुविधा केंद्र में तकनीकी सहायता हेतु थाने पर नियुक्त कंप्यूटर ऑपरेटर से सहायता ली जाएगी । तथा पुलिस अधीक्षक व अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा महिला हेल्प डेस्क पर बने रजिस्टरो का अवलोकन कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये । थाने पर आमजन के बैठने हेतु आगंतुक कक्ष बनने से थाने पर आने वाले फरियादी,शिकायतकर्ताओं के लिए बैठने की व्यवस्था व पीने के लिए पानी आदि की व्यवस्था की गयी है , जिससे पीड़ित ,शिकायतकर्ता को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो ।

कांग्रेसियों ने किसानों की मांग को लेकर दिया धरना सौंपा उपजिलाधिकारी को ज्ञापन

हाथरस। प्रांतीय नेतृत्व के निर्देश पर तहसील सासनी कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वधान में ब्लॉक अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार (सनी) ब्लॉक उपाध्यक्ष अरुन कुमार के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी कार्यालय पर भारी संख्या में कांग्रेस जनों ने किसानों की खाद बिजली पानी की समस्याओं के निराकरण को लेकर के जोरदार धरना प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम ज्ञापन उप जिलाधिकारी को दिया। जिसमें पूरे प्रदेश में खाद की जमकर हो रही कालाबाजारी पर तुरंत रोक लगाने समुचित बिजली आपूर्ति दिलाने की मांग की गई। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार सासनी कमेटी के दर्जनों पदाधिकारीगण एवं वरिष्ठ कांग्रेसी उपजिलाधिकारी कार्यालय पर एकत्रित हुए। वहां जोरदार नारेबाजी के बीच धरना सभा कर किसानों की हो रही समस्याओं को उठाया गया। सभा की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार (सनी)संचालन मुख्य प्रवक्ता डॉ बंटी कुमार ने किया। सभा में बक्ताओ ने कहा कि जनपद में खाद बिजली पानी के लिए किसान दर–दर भटक रहा है कोई सुनने वाला नहीं है खाद की धड़ाधड़ से कालाबाजारी हो रही है आम किसानों को खाद नहीं मिल पा रहा है समय से वह पर्याप्त बिजली आपूर्ति न होने से धान की फसल सूख रही है किसानों की फसल का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है इससे भाजपा की डबल इंजन की सरकार का दोहरा चरित्र सामने आ रहा है किसानों के लिए किए गए वादे जुमला साबित हो रहे हैं किसानों की समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो कांग्रेस जन बड़ा आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेंगे कोई भी कुर्बानी देने को तैयार हैं । धरना प्रदर्शन में ब्लॉक उपाध्यक्ष व मण्डल प्रवक्ता प्रशांत कुमार,अरुण कुमार,विकास, रोहित, अजय अंकित,अतुल,कपिल कुमार,राजकुमार, धर्मेंद्र कुमार,अंकित कुमार,भूपेश कुमार कर्दम सहित काफी संख्या में कांग्रेस जन मौजूद थे ज्ञापन देने के बाद ब्लॉक अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार(सनी) व ब्लॉक उपाध्यक्ष अरुन कुमार, ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित कर आभार व्यक्त किया।

जिलाधिकारी ने की बेसिक एवं समग्र शिक्षा से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा

अलीगढ। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में बेसिक एवं समग्र शिक्षा से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा और जिला टास्क फोर्स की बैठक हुई, जिसमें डीएम ने दो टूक शब्दों में कहा कि एक भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहने पाए। उन्होंने समस्त अधिकारियों से समन्वय कर लक्ष्य आधारित कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी संबंधित विभागों को बच्चों के हित को सर्वोपरि रखते हुए निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के लिए सजगता और संवेदनशीलता से कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। डीएम ने निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में 75 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है उन्हें 15 अगस्त तक हर हाल में पूरा किया जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के तहत प्रवेश से वंचित बच्चों के संबंध में निजी विद्यालयों को नोटिस जारी करते हुए विधिक कार्यवाही की जाए।

शहर सौंदर्याकरण के लिए बिल्डर्स संग नगर आयुक्त ने किया मंथन

अलीगढ़ । मंगलवार को नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा की अध्यक्षता में कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में अलीगढ़ शहर के सौंदर्गीकरण और विकास के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में अलीगढ़ विकास प्राधिकरण की सचिव श्रीमती दीपाली भार्गव तथा शहर के प्रमुख बिल्डर्स सुमित सर्राफ, राजीव शर्मा, अमित सर्राफ, विक्रम सिंह, नरेंद्र संगवान, प्रेम मंगला, नरेंद्र मालवा एवं दिनेश अग्रवाल की उपस्थिति रही।

बैठक का उद्देश्य शहर को सुव्यवस्थित, स्वच्छ, और सौंदर्ययुक्त बनाने हेतु निजी क्षेत्र, विशेषकर बिल्डर्स की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था। नगर आयुक्त ने बिल्डर्स को संबोधित करते हुए कहा श्शहर के प्रमुख चौराहों, पार्कों एवं मुख्य मार्गों का सौंदर्यकरण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है. इसके लिए निजी क्षेत्र का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। जो बिल्डर इस पुनीत कार्य में भागीदारी करेंगे, उन्हें नगर निगम व विकास प्राधिकरण द्वारा सार्वजनिक रूप से सम्मानित जाएगा। किया सहभागी बनें नगर निगम ऐसे लोगों नगर आयुक्त ने बताया कि अलीगढ़ नगर निगम अगस्त माह से व्यापक जन जागरूकता अभियान शुरू करने जा रहे हैं, जिसका उद्देश्य नागरिकों की सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाकर स्वच्छता, सौंदर्य को जन आंदोलन बनाना है। इस अभियान में शहर के बिल्डर्स की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण होगी।

श्बैठक के दौरान नगर आयुक्त ने शहर के कुछ प्रमुख चौराहों को एनजीओ, बिल्डर्स अथवा कॉर्पोरेट समूहों द्वारा गोद लिए जाने की योजना पर भी विचार रखा। यह मॉडल पहले कई शहरों में सफल रहा है और अलीगढ़ में भी इसे लागू किया जाएगा। नगर आयुक्त ने कहाश सार्वजनिक स्थलों को सुंदर और सुव्यवस्थित बनाना केवल नगर निगम की नहीं, बल्कि हर नागरिक और व्यवसायिक इकाई की नैतिक जिम्मेदारी है। बिल्डर्स अपनी सामाजिक भूमिका निभाएं और शहर के सौंदर्गीकरण में का तहे दिल से स्वागत करता है उन्होंने बताया कि अक्टूबर माह के अंत तक शहर में लंबित निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पुनः शुरू किया जाएगा। फरवरी 2026 तक अधिकांश कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

कोर्ट के आदेश पर सूरजपुर से वांरटी गिरफ्तार

खैर। पत्नी को भरण पोषण की धनराशि ना दिए जाने के मामले में प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय के आदेश पर खैर पुलिस ने आरोपित को ग्रेटर नोएडा से गिरफ्तार कर जेल भेजा है। मोहसनपुर निवासी अनुज शर्मा पुत्र निवासन शर्मा का अपनी पत्नी से विवाद चल रहा है। पत्नी द्वारा भरण पोषण का वाद परिवार न्यायालय में दायर कर रखा है। भरण पोषण की राशि मंजूर होने के बाद भी भुगतान न करने पर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय ने आरोपित के खिलाफवांरट जारी किए थे। आरोपित ग्रेटर नोएडा में प्राइवेट नौकरी करता था तथा वहीं किराए के मकान में रह रहा था। मुखबिर की सूचना पर जानकारी टेऊस किए जाने के बाद व कोर्ट के आदेश के अनुपालन में सोफ्फ चौकी इंचार्ज जगदीश कुमार ने आरोपित अनुज शर्मा को सूरजपुर ग्रेटर नोएडा स्थित अमित शर्मा के मकान से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट के आदेश पर आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

वरिष्ठ अधिवक्ता के निधन पर शोक

अलीगढ। तहसील खैर के वरिष्ठ अधिवक्ता संतगिरि गोस्वामी का मंगलवार को उपचार के दौरान मेडीकल कालेज में निधन हो गया। वह 75 वर्ष के थे। 1978 से वह खैर तहसील में वकालत कर रहे थे। उनके निधन की सूचना पर उनके शुभचिंतक, परिचित, रिश्तेदार व अधिवक्ता उनके अधिवक्ता का फाइल फोटो आवास पर पहुंचे तथा शोक संतृप्त परिवार को सांत्वना दी। उन्होंने अपनी पत्नी, दो पुत्र व एक विवाहित पुत्री को रोते बिलखते हुए छोडा है। उनके निधन पर खैर विधायक सुरेन्द्र दिलेर, पूर्व विधायक प्रमोद गौड, खैर चेयरमैन संजय शर्मा, पूर्व चेयरमैन संजीव अग्रवाल, पूर्व ब्लाक प्रमुख दिवाकर गौड, फौजदारी बार के अध्यक्ष यशवीर सिंह, महामंत्री अजय चौहान, सिविल बार के अध्यक्ष अमर सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता सत्येन्द्र शर्मा, राजपाल सिंह मालान, बीडी वर्मा, मदनमोहन गौतम, प्रेमपाल शर्मा, भूपेन्द्र शर्मा, राजबहादुर सिंह चौहान, सुल्तान शर्मा, रामकुमार गौतम, बृजवासी लाल, रामगोपाल शर्मा, शर्त कुमार मालान, दिनेश चौधरी आदि ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

मजदूरों की मौत के मामले में मीट फैक्टरी सीज

अलीगढ़। थाना रोरावर क्षेत्र में आगरा के पूर्व बसपा विधायक जुल्फिनकार भुट्टों की एचएमए मीट फैक्टरी में विगत दिनों दो मजदूरों की ब्लड टैंक में गिर कर मौत हो गई थी। जिसके चलते फैक्टरी को सीज कर दिया गया।

एचएमए मीट फैक्ट्री मंगलवार को सीज कर दी गई। फैक्टरी के लिए जाने वाले बिजली के कनेक्शन को भी काट दिया गया है। इस फैक्टरी में 27 जून को भुजपुरा निवासी दो मजदूर इमरान और आसिफकी ब्लड टैंक में गिरने से मौत हो गई थी। पुलिस–प्रशासन इसकी जांच कर रहा है।

भगवान मृत्युंजय शिव संसार की समस्त औषधियों के स्वामी : स्वामी पूर्णानन्द पुरी

२३ जुलाई को रखा जायेगा सावन शिवरात्रि का व्रत ,२४ जुलाई को हरियाली अमावस्या मनाई जाएगी

(भव्य प्रभात)

अलीगढ़ । भगवान मृत्युंजय शिव संसार की समस्त औषधियों के स्वामी है। मृत्यु के नियंत्रक, आरोग्य और स्वास्थ्य के प्रदाता भगवान शिव के महामृत्युंजय उपासना से काल पर भी विजय प्राप्ति संभव है। जटिल और तनाव युक्त जीवन में इस उपासना से जहां आकस्मिक दुर्घटनाओं से जीवन की रक्षा हो सकती है। असाध् य रोगों का निवारण भी किया जा सकता है। भाव, श्रद्धा तथा भक्ति से इस महामंत्र का जप करने पर भयंकर व्याधियों से मुक्ति के साथ दीर्घायु, शन्ति, धन–संपत्ति, मोक्ष व सद्गति की प्राप्ति भी संभव है। उक्त बातें वैदिक ज्योतिष संस्थान पर चल रहे पार्थिव शिव पूजन रुद्राभिषेक के मध्य परमपूज्य स्वामी पूर्णानन्द पुरी जी महाराज ने भक्तों को दी।

भौम प्रदोष के पावन दिवस पर संस्थान कार्यालय पर प्रातः से ही भगवान शिव के पार्थिव लिंग का वेद मंत्रो के साथ तीर्थोदक, गंगाजल, गोमूत्र, गोमय, तीर्थों की मिट्टी से निर्माण कर दूध, दही, धी, शहद, बूरा, पंचामृत, वर्षा का जल, पुष्पों का जल, भस्ममोदक, आदि से स्नान कराकर चन्दन और भस्म से त्रिपुण्ड बनाया, जनेऊ, कलावा, विल्वपत्र, आक, ढाक, धतूरा, शमीपत्र, दूर्वा, गुलाल, अबीर, से श्रंगार पूजन कर, भगवान शिव और माँ मंगला गौरी के एक एक हजार नामों से गुलाब, कनेर, गुड़हल पुष्पों से अर्चन कर भोग आरती गौरव शास्त्री, रवि शास्त्री, शिवम व्यास, ऋषि शास्त्री ने सुबोध अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, मानवेन्द्र सिंह, रोली सिंह, से प्रदोष अनुष्ठान सम्पन कराया।

स्वामी जी ने शिव की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि पृथ्वी लोक पर सावन माह में पूजा करने का विशेष महत्व है। ऋषि मार्कंडेय ने सावन मास में ही तप कर भगवान शिव को प्रसन्न कर मृत्यु को भी जीत लिया था। भगवान शिव सावन मास में ही पृथ्वी पर अवतरित होकर अपने ससुराल गये और उनका स्वागत अध्य एवं अभिषेक से किया गया था। तब से यह माना जाता है कि शिव हर वर्ष इसी माह अपनी ससुराल आते हैं। पृथ्वी पर रहने वालों के लिए यह माह भगवान शिव के विशेष कृपा प्राप्त करने का उत्तम समय है। सच्चे मन से भक्तों द्वारा किए गये पुकार पर महादेवजी उसी क्षण अपने भक्तों का कष्ट दूर कर देते हैं। सरल स्वभाव का होने के कारण भोलेनाथ सहज ही प्रसन्न हो जाते हैं। पौराणिक कथाओं में वर्णित है कि सावन मास में ही समुद्र मंथन किया गया था। जिन पांच औषधियों से भगवान शिव का अभिषेक किया जाता है। उनसे विष का प्रभाव कम होता है। शिव पुराण में उल्लेख है कि भगवान गंगाधर शिव स्वयं ही जल है। सृष्टि विलय होने पर चहुंओर जल ही जल रहता है जो भगवान शिव का ही स्वरूप है। आपत्ति काल में वे धर्म की रक्षा को तत्पर रहते हते हैं। स्वामी जी ने श्रवण शिवरात्रि के विषय में बताया कि वैदिक पंचांग के अनुसार सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि आज 23 जुलाई 2025 बुधवार को सुबह 4.39 बजे से प्रारम्भ हो चुकी है. यह तिथि आज ही देर रात 2. 28 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार सावन शिवरात्रि का व्रत आज बुधवार को रखा जाएगा, पूजा का समय निशा काल में 12 बजकर 07 मिनट से लेकर 12 बजकर 48 मिनट तक है। इस दिन कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में मनोकामना पूर्ति के लिए भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा की जाएगी। इस शुभ अवसर पर भद्रावास योग दोपहर 03 बजकर 31 मिनट तक है। वहीं, हर्षण योग का निर्माण दोपहर 12 बजकर 35 मिनट से हो रहा है। इन योग में भगवान शिव की पूजा करने से साधक को दोगुना फल मिलेगा। 24 जुलाई गुरुवार को हरियाली अमावस्या मनाई जाएगी।

स्वामी जी के शिष्य एवं संस्थान के सचिव आचार्य गौरव शास्त्री ने बताया कि सनातन धर्म में सावन शिवरात्रि का विशेष महत्व है। यह पर्व देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन देवों के देव महादेव और मां पार्वती की विशेष पूजा की जाती है। पूजा के समय भगवान शिव का जलाभिषेक और रुद्राभिषेक किया जाता है। भक्तजन दूध, दही, घी, शहद बूरा, फलोदक, पुष्पोदक तीर्थोदक और गंगाजल से देवों के देव महादेव का अभिषेक करते है। भक्तजन निशा काल भगवान शिव की पूजा एवं भक्ति करते हैं। मंदिरों में भजन–कीर्तन और शिव विवाह का आयोजन किया जाता है। साधक मनचाही मुराद पाने के लिए सावन शिवरात्रि पर व्रत भी रखते हैं। यह दिन दिन भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि इस दिन किया गया व्रत और पूजन वैवाहिक जीवन में प्रेम, सामंजस्य और सुख–शांति बनाए रखता है। यह व्रत विशेष रूप से कुंवारी कन्याओं और विवाहित महिलाओं के लिए विशेष फलदायक माना जाता है।

प्रात्य 7

घरेलू हिंसा से महिला संरक्षक अधि० 2005 की धारा 13 (1) के अधीन हाजिर होने के लिये सूचना

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (जूनियर डिविजन) एफटीसी II महोदय हाथरस

वाद सं:–299 / 12 / 2024

पुलिस थाना हाथरस जक्शन मामले में घरेलू हिंसा अधिनियम

श्रीमती राकेश देवी———परिवादी

बनाम

श्री दिनेश कुमार आदि———प्रतिपक्षी

प्रेषिती – श्रीमती राकेश देवी पत्नी श्री दिनेश कुमार पुत्री दुर्गाप्रसाद निवासी ग्राम सिथरोली थाना हाथरस जक्शन जिला हाथरस।

01.ममता पत्नी भूपेन्द्र पुत्री चन्द्रपाल निवासी सासनीगेट चौराहा, इगलास थाना इगलास जिला अलीगढ। ... प्रतिवादीगण

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम 2005 (2005) का 43 की धारा 12 , 17 ,18, 19, 20, 22, 23, ——— के अधीन आवेदन दाखिल किया है।

आपको यह कारण बताने के लिये कि क्यों न आवेदन द्वारा माँगे गये अनुतोष को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाये। व्यक्तिगत रूप से या इस न्यायालय द्वारा सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सिल के मार्फत तारीख 14 मास 08 सन् 2025 को 10 बजे पूर्वान्ह / अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमें अस्फल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख 16–07–2025 को दी गयी।

हस्ताक्षर

हारा हूं बाबा, मुझे तुझपे भरोसा है....

सादाबाद के खाटू श्याम मंदिर में भजन संध्या का आयोजन

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। बिजलीघर रोड स्थित श्री गोवर्धनधाम खाटू श्याम मंदिर पर एकादशी पर देर रात तक श्याम नाम संर्कीतन का आयोजन किया गया। दूसरे दिन द्वादशी पर मंदिर में भजन संध्या हुई। इन आयोजनों में बाबा ष्याम के भजनों पर श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर नाचते–गाते रहे। हारे के सहारे की जय के जयकारों से मंदिर परिसर गुंजायमान हो गया। कार्यक्रम में, भजन गायक अंकुर अग्रवाल ने ने बाबा के भजनों का गुणगान किया। अंकुर ने भजनों से ष्याम प्रेमियों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में खाटू ष्याम भगवान का आकर्शक दरबार सजाया गया था और बाबा की ज्योत जलाई गई थी। दीनानाथ मेरी बात छानी कोनी, ष्याम नाम के हीरे मोती, हारा हूं बाबा तुझपे भरोसा है, मेरे बाबा की हो रही जयजयकार, मुझे अगर तेरा सहारा न मिलता जैसे लोकप्रिय भजनों की

प्रस्तुति दी, जिससे भक्त बाबा की भक्ति में झूम उठे। कार्यक्रम में इत्र और पुश्प वर्शा भी की गई। श्रद्धालुओं ने मध्यरात्रि तक भजन कीर्तन का आनंद लिया। सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया। मौके पर ट्रस्ट के पदाधिकारी व काफी संख्या में श्याम भक्त मौजूद रहे।

आलू किसानों को नहीं मिला फसल का बाजिव दाम

कांग्रेसियों ने एसडीएम को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर की समस्या के समाधान की मांग

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। क्षेत्र के आलू किसानों की समस्याओं को लेकर कांग्रेसियों ने मंगलवार को एसडीएम सादाबाद संजय कुमार को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आलू किसानों की समस्या का समाधान किए जाने की मांग की गई।

ज्ञापन में पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी मथुरा प्रसाद कुशवाहा ने बताया कि सादाबाद क्षेत्र आलू किसानों को क्षेत्र है। इस वर्श आलू किसान पूरी तरह से परेषान है। आलू की बिक्री उचित दरों पर न होने के कारण आलू की लागत भी नहीं निकल पा रही हैं। प्रदेष में खरीफ की फसल की बुबाई चल रही है किसानों को इस समय धान की फसल के लिए यूरिया खाद और सिंचाई के लिए पानी की अत्यंत आवष्यकता है, लेकिन न यूरिया खाद मिल रही और न पानी मिल रहा। बिजली आपूर्ति की कमी के चलते किसानों को सिचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है और खाद के लिए दर–दर भटकना पड रहा है। किसान यूरिया और सिंचाई के लिए त्राहि–त्राहि कर रहा है। किसान औने पौने दामों पर खाद खरीदने के लिए विवष है। भाजपा के शासन में प्रदेष का किसान आज खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। मौके पर दिनेश चौधरी, अनुज शर्मा, जितेंद्र गौतम, हरेंद्र गुप्ता, संतोष शर्मा, अमित, जैनुद्दीन आदि कांग्रेस कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद थे।

ताइक्वांडो टूर्नामेंट में नारायण इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, जीते मैडल

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। आगरा के सिकंदरा स्थित होली पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय ताइक्वांडो टूर्नामेंट का आयोजन किया गया।

टूर्नामेंट में गांव अभयपुरा सादाबाद स्थित नारायण इंटरनेषनल स्कूल के छात्र छात्राओं ने भी भाग लिया। स्कूल के कोच परमिंदर सिंह ने बताया कि छात्र प्रेरित चौधरी, करण छौंकर, अनुज सारस्वत, नव्या सारस्वत, हार्दिक, आदित्य, यष चौधरी, यष वर्मा, अनय सारस्वत, माही ने गोल्ड मेडल जीता। अनिकेत, षौर्य, मयंक, पृथ्वी, समीर, तनु ने सिल्वर मेडल तथा डवलेष, अरषद तथा इनाया ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर स्कूल का नाम रोषन किया है। छात्र छात्राओं के जीतकर स्कूल आने पर स्कूल के चेयरमैन प्रोफेसर हरीष चौधरी, प्रधानाचार्या नीतू सिंह, ताइक्वांडो कोच परमिंदर सिंह एवं सभी षिक्षकों ने ट्राफी देकर उन्हें सम्मानित किया।

इस मौके पर अभिशेक सारस्वत, करिष्मा सिन्हा, सनी गुप्ता, मुकेष वार्श्णेय, गोपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

हॉस्पीटल का शटर बंद कर सड़क हादसे में घायल मरीज व उसके तीमारदारों को जमकर पीटा

हॉस्पीटल मालिक सहित चार लोगों पर घटना को अंजाम देने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। बिसावर के दीया हॉस्पीटल में 17 जुलाई को मरीज व उसके तीमारदारों से शटर बंदकर जमकर मारपीट की गई। इससे वह घायल हो गए। इस मामले में पीड़ित की तहरीर पर मंगलवार को सादाबाद कोतवाली में मुकद्दमा दर्ज कर लिया गया है।

गांव नगला बक्सा सादाबाद निवासी लक्ष्मी देवी पत्नी भूपेंद्र सिंह ने सादाबाद कोतवाली में डॉ. सतेंद्र, व जीतेश निवासी टीकैत, आकाश निवासी बिसावर, हरिओम व अन्य अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि रिपोर्ट में बताया कि 17 जुलाई को दोपहर करीब 12 बजे उसके पति भूपेंद्र पुत्र तेज सिंह का एक्सीडेंट विधिपुर पुल व पेट्रोल पंप के पास मथुरा रोड पर हो गया था, जिससे उसके पति के काफी चोट आई थी, जिसका इलाज कराने के लिए भूपेंद्र ने अपने चचेरे भाई सचिन को फोन कर बुलाया। सचिन ने पास में ही मौजूद दीया हॉस्पीटल में उपस्थित कंपाउडर ने इलाज के दौरान अपने ही अस्पताल में एक्सरे कराने को बोला और भूपेंद्र से पांच हजार रूपया जमा कराने को कहा, तभी सचिन ने कहा कि डॉ. साहब आप इलाज शुरू कीजिए, पैसे का भुगतान घर से मंगा कर अभी करता हूं, अभी मेरे पास एक हजार रूपये हैं, इन्हें जमा कर लीजिए। आरोप है कि इतना कहते ही हॉस्पीटल मालिक सतेंद्र व अन्य नामजदों ने गाली गलौज करते हुए उसके पति भूपेंद्र, देवर सचिन को लाठी डंडों व लोहे की रॉड से बुरी तरह से पीट दिया। एक्सीडेंट की खबर सुनकर सहायता के लिए आए अन्य परिवारीजनों डिगम्बर सिंह, तेज सिंह, भारत सिंह आ गए। इन सभी हॉस्पीटल मालिक व सभी नामजदों ने हॉस्पीटल का शटर बंद कर फिर से लाठी डंडों और लोहे की रॉड से बुरी तरह से पीटा। बीच बचाव के साथ उसके साथ भी मारपीट की और धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया। डॉ. सतेंद्र ने गंदी गालियां देते हुए कहा कि यहां से भाग जाओ, नहीं तो जान से मार दूंगा।

छात्रों की जानकारी को ऑनलाइन अपडेट करने में लापरवाही, १२ स्कूलों को नोटिस जारी

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। शैक्षिक सत्र 2025–26 के लिए यू डाइस स्टूडेंट प्रोग्रेशन मॉड्यूल व प्रोफाइल मॉड्यूल और टीचर मॉड्यूल का कार्य पूरा न करने पर सादाबाद खंड शिक्षाधिकारी आलोक प्रताप श्रीवास्तव ने 12 से अधिक निजी स्कूलों को नोटिस जारी किया है। नोटिस के जरिए इन स्कूलों के प्रबंधक व प्रधानाचार्य से दो दिन में स्पष्टीकरण मांगा गया है।

खंड शिक्षाधिकारी ने बताया कि यू डाइस का मुख्य उद्देष्य षिक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए वास्तविक समय डेटा प्रदान करना है। यह जानकारी स्कूलों, षिक्षकों, और छात्रों के बारे में सटीक और अद्यतित जानकारी प्रदान करती है, जिससे षिक्षा नीतियों और कार्यक्रमों को बनाने और लागू करने में मदद मिलती है। 12 से अधिक स्कूलों ने अभी तक यू–डायस सिस्टम में छात्रों, षिक्षकों और स्कूल की जानकारी को अपडेट नहीं किया है। बार बार अनुरोध किए जाने के बाद भी यह कार्य को पूरा नहीं कर रहे हैं।जारी नोटिस में कहा गया है कि यह स्कूल कार्य को करने में रूचि नहीं ले रहे हैं। कई स्कूलों ने तो कार्य को अभी तक आरंभ ही नहीं किया है। यह उच्चाधिकारियों के आदेश की अवहेलना व शासन के कार्यों के प्रति उदासीनता को दर्शाता है। लिहाजा यदि दो दिन में मय साक्ष्य स्पष्टीकरण न दिया गया तो विभागीय कार्यवाही की संतुति कर दी जाएगी।

भाकियू चौ. चरण सिंह ने की किसान आयोग के गठन की मांग

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी और मुख्य संरक्षक केपी सिंह ठैंनुआ ने पूर्व महामहिम उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को पत्र भेजकर किसान आयोग का गठन किए जाने और उसमें अध्यक्ष व सदस्य प्रगतिशील किसानों को रखे जाने की मांग की गई।

सम्मन वास्ते करार दाद अमर तनकीय तलवी आर्डर-5

कायदा 1 व 5

व अदालत सिविल जज (व.प्र.)

मुकाम हाथरस जिला हाथरस

मु0न0 / प्रर्कीण संख्या 215 सन 2024

गोपाल प्रसाद गौड पुत्र स्व0 श्री शिवदत्त शर्मा निवासी निकट चिकना कुँआ ,हनुमान गली ,हाथरस जिला हाथरस।

बनाम

विष्णु कुमार वर्मा पुत्र श्री किशनदास वर्मा निवासी वर्मा कॉलौनी ढकपुरा रोड,वाटरवर्क्स के सामने हाथरस जनपद हाथरस हाल प्रतिष्ठान विष्णु कुमार विजय कुमार पटेल विल्डिग सरकूलर रोड हाथरस जनपद हाथरस।

चूँकि प्रार्थी ने आपके नाम एक नालिश वसूलयावी में दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप तारीख 11 माह 08 सन् 2025 ई0 व वक्त 10 : 00 बजे दिन असालतन या मार्फत वकील के जो हालात मुकद्मा से वाकई वाकिफ किया गया हो और कुल मुकद्मा का जबाब दे सके या जिसके साथ में और कोई सख्श हो जो ऐसे सवालों का जबाव दे सकें, हाजिर हो और जबावदेही दावों को करे और आपको लाजिम है कि जुमला दस्तावेज को उसी रोज पेश करे जिन पर कि जबावदेही में अपनी प्रतिरक्षा में पेश करना चाहते हों, आपको इत्तिला दी जाती है अगर आप मजकूरा में हाजिर न हों तो आपकी गैर हाजिरी में एक और फैसिल होगी।

आज व तारीख 11–07– 2025 को मेरे हस्ताक्षर व मौहर इस अदालत से जारी किया गया।

हस्ताक्षर हाकिम

नहीं सुलझ रही नंबर–3 की समस्या

इस पोजीशन पर 7 देशों का बैटिंग औसत टीम इंडिया से बेहतर

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन किया है। सीरीज में अब तक खेले गए सभी तीन मैचों में टीम इंडिया ज्यादातर समय मेजबान टीम से आगे रही है। इसमें सबसे अहम योगदान हमारी बल्लेबाजी का रहा है, जिसने इंग्लैंड की मुश्किल परिस्थितियों में खूब रन बनाए हैं। बावजूद इसके तीन मैचों के बाद भारत सीरीज में 1–2 से पिछड़ रहा है। इस बीच, भारतीय टीम की सबसे बड़ी समस्या नंबर–3 पर बल्लेबाजी रही है। इस दौरे पर नंबर–3 के बैटर को छोड़कर भारत के टॉप–7 बैटिंग पोजीशन पर कम से कम एक अर्धशतक है। टेस्ट क्रिकेट में नंबर–3 बैटर का योगदान इसलिए अहम हो जाता है क्योंकि इसी पोजीशन पर जीत में सर्वाधिक 399 शतक लगे हैं। इंग्लैंड

दौरे पर नंबर–3 पर करुण नायर और साई सुदर्शन इंग्लैंड दौरे पर भारत के लिए साई सुदर्शन और करुण नायर ने इस पोजीशन पर बल्लेबाजी की है। लेकिन दोनों ही बैटर फ्लॉप साबित हुए और कोई भी बैटर एक भी बार 40 का आंकड़ा पार नहीं कर सका है। हालांकि, नंबर–3 बैटर की समस्या भारत के लिए कोई नई बात नहीं है। इस दशक की शुरुआत से यानी कि 2020 से हमारे नंबर–3 बैटर का औसत दुनिया में आठवें नंबर पर है। पिछले पांच सालों में हमने इस पोजीशन पर 11 बल्लेबाजों को आजमाया है। लेकिन 52 मैचों में उन्होंने 30.83 की औसत से रन बनाए हैं। इस मामले में हम सिर्फ बांग्लादेश, जिम्बाब्वे, आयरलैंड और वेस्टइंडीज से बेहतर हैं। करुण के दो 40 के बीच पुजारा के 4000 रन भारत के नंबर–3 करुण नायर ने करियर के 9 टेस्ट में 505 रन बनाए हैं। 303 रन एक ही पारी में आए थे। पुजारा की जगह लेने की कोशिश में लगे करुण करियर में सिर्फ 2 बार 40 तक पहुंचे हैं। उनके इन दो 40 स्कोर के बीच में पुजारा ने 3939 टेस्ट रन बनाए हैं।

नंबर-3 पर औसत में पाक से पीछे भारत

टीम	औसत
न्यूजीलैंड	60.27
अफगानिस्तान	51.76
ऑस्ट्रेलिया	41.46
इंग्लैंड	37.01
श्रीलंका	36.50
द. अफ्रीका	33.32
पाकिस्तान	32.89
भारत	30.83

विश्व चैंपियनशिप से पहले चाइना ओपन में सात्विक-चिराग की नजरें दमदार प्रदर्शन पर

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार से शुरू हो रहे चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में आगामी विश्व चैंपियनशिप के लिए लय हासिल करने के लक्ष्य के साथ कोर्ट पर उतरेगी। चाइना ओपन पेरिस में 25 से 31 अगस्त तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले अंतिम प्रमुख प्रतियोगिता है। इसलिए प्रत्येक खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होगा। वर्तमान में विश्व में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग इस सत्र में तीन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे हैं लेकिन अभी तक फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे हैं। यही नहीं उन्हें पिछले सप्ताह जापान ओपन में पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से हार का सामना करना पड़ा था। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी पहले दौर में जापान के केन्या मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा का सामना करेगी। एकल वर्ग में लक्ष्य सेन, एचएस प्रणय और पीवी सिंधू 20 लाख डॉलर इनामी प्रतियोगिता में अपनी फॉर्म वापस पाने की उम्मीद करेंगे। पिछले कुछ समय से फॉर्म में वापसी करने के लिए संघर्ष कर रहे लक्ष्य पिछले सप्ताह जापान ओपन में दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए थे। यहां उनका पहला मुकाबला चीन के पांचवीं वरीयता प्राप्त ली शी फेंग से होगा। भारत के एक अन्य खिलाड़ी प्रणय पहले दौर में जापान के कोकी वतनबे का सामना करेंगे। अब 16वीं रैंकिंग पर काबिज सिंधू के लिए इंडिया ओपन में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना इस साल उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। पिछले सप्ताह वह कोरिया की सिम यू जिन से हार गईं थी। यह इस वर्ष पांचवा अवसर था जबकि वह पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थी। सिंधू का पहला मुकाबला जापान की छठी वरीयता प्राप्त 18 वर्षीय पूर्व विश्व जूनियर चैंपियन तोमोका मियाजाकी से होगा। महिला एकल में ही इस वर्ष की शुरुआत में ताइपे ओपन सेमीफाइनलिस्ट रहीं उन्नति हुड्डा का पहले दौर में स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमोर से मुकाबला होगा, जबकि अनुपमा उपाध्याय का सामना चीनी ताइपे की लिन सियांग टी से होगा। महिला युगल में कविप्रिया सेल्वम–सिमरन सिंघी, पांडा बहनें रुतपर्णा और श्वेतपर्णा, और अमृता प्रमुथेश–सोनाली सिंह की जोड़ी मैदान में हैं, जबकि रोहन कपूर और रुतविका शिवानी गड्डे मिश्रित युगल में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

करुण नायर होंगे बाहर? अंशुल कंबोज को मिल सकता है डेब्यू का मौका, जानें कैसी होगी टीम इंडिया की प्लेइंग 11

बुधवार, 23 जुलाई से भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट मैच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। जहां इंग्लैंड टीम ने अपनी प्लेइंग 11 का ऐलान कर दिया वहीं टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन का इंतजार है। वैसे कई खिलाड़ियों के चोटिल होने की वजह से टीम मैनेजमेंट को प्लेइंग इलेवन चुनने में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। भारतीय टीम सीरीज में 1–2 से पीछे चल रही है। अगर उसे सीरीज जीत की उम्मीदों को जिंदा रखना है तो मैनचेस्टर टेस्ट हर हाल में जीतना होगा। ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी चोट के कारण से पहले ही सीरीज से बाहर हो चुके हैं। अर्शदीप सिंह भी चोट के कारण से कम से कम मैनचेस्टर टेस्ट के लिए नहीं मौजूद होंगे ये बीसीसीआई भी साफ कर चुकी है। एजबेस्टन टेस्ट के हीरो आकाश दीप भी ग्रोइन इंजरी से पीड़ित हैं और उनके खेलने या न खेलने पर सस्पेंस बना हुआ है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत उंगली की चोट से उबर रहे हैं लेकिन राहत की बात ये है कि वह ट्रेनिंग सेशन में लगातार दिख हैं। वहीं सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह चौथा टेस्ट खेलेंगे? वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत उन्हें सीरीज के 5 में से सिर्फ 3 मैच ही खिलाए जाने हैं जिनमें 2 मैच वह पहले ही खेल चुके हैं। वैसे तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज कह चुके हैं कि जस्सी भाई मैनचेस्टर टेस्ट खेलेंगे। कोच या कप्तान की तरफ से ऐसा कुछ नहीं कहा गया है लेकिन एक सीनियर गेंदबाज के बयान को तो गंभीरता से लेना ही होगा। मस्ट विन मैच में बुमराह की मौजूदगी से भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को धार मिलेगी।

जानिए किसको आयकर रिटर्न दाखिल करना जरूरी है और क्यों?

नई दिल्ली। यदि आपकी सभी आय का कुल योग विभिन्न धाराओं जैसे 80ब्, 80ब्ब, 80ब्ब्, 80क्, 80म्, 80ळ, 80ळळ।, 80ज्ज।छ80ज्ज्ठ आदि के तहत कटौती से पहले, मूल छूट सीमा से अधिक है, तो आपको अपना प्ज्त् दाखिल करना होगा। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। कई वेतनभोगी लोग यह मानते हैं कि यदि उनके वेतन से उचित टैक्स टीडीएस के रूप में काट लिया गया है, तो उन्हें अब इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की अब कोई जरूरत नहीं है। यहां तक कि कई सेवानिवृत्त लोग भी यह महसूस करते हैं कि चूंकि बैंक ने पहले ही फिक्स्ड डिपॉजिट के ब्याज पर टीडीएस काट लिया है, तो फिर उन्हें प्ज्त् दाखिल करने की क्या जरूरत। कुछ लोग मानते हैं कि उनके पास पैन कार्ड होने के कारण उन्हें अपना प्ज्त् दाखिल करना ही होगा। दोनों ही धारणाएं सही नहीं हैं। आयकर रिटर्न दाखिल करना और उचित कर दायित्व का निर्वाह करना दो अलग–अलग जिम्मेदारियां हैं, और दोनों का अलग अलग ढंग से निर्वाह करना पड़ता है। आइए टैक्स एक्सपर्ट और निवेश सलाहकार बलवंत जैन से समझते हैं कि आयकर रिटर्न दाखिल करना किन–किन लोगों के लिए जरूरी है। कुल सकल आय मूल छूट सीमा से अधिक होने पर यदि आपकी सभी आय का कुल योग विभिन्न धाराओं जैसे 80ब्, 80ब्ब, 80ब्ब्, 80क्, 80म्, 80ळ, 80ळळ।, 80ज्ज।छ80ज्ज्ठ आदि के तहत कटौती से पहले, मूल छूट सीमा से अधिक है, तो आपको अपना प्ज्त् दाखिल करना होगा। ये धाराएं आपके द्वारा किए गए विभिन्न निवेशों या भुगतानों जैसे च्च्थ्, छैब्, म्स्, छैै होम लोन के मूलधन की चुकौती, स्कूल फीस, जीवन बीमा प्रीमियम, मेडिक्लेम प्रीमियम, डोनेशन, एजुकेशन लोन पर ब्याज, जिन्हें एचआरए नहीं मिलता हैं, ऐसे व्यक्तियों द्वारा भुगतान किए गए किराए आदि के लिए उपलब्ध कटौतियों से संबंधित हैं. धारा 80ज्ज।छ80ज्ज्ठ बैंक खाते पर अर्जित ब्याज पर कटौती देती है। पुरानी कर व्यवस्था के तहत 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए मूल छूट सीमा सामान्य व्यक्ति के लिए 2.50 लाख रुपए, 60 वर्ष से अधिक आयु के निवासी व्यक्ति के लिए 3 लाख रुपए और 80 वर्ष से अधिक आयु के निवासी व्यक्ति के लिए 5 लाख रुपए है. यदि आप नई कर व्यवस्था चुनते हैं, तो सभी व्यक्तियों के लिए मूल छूट सीमा 3 लाख रुपए है। प्ज्त् दाखिल करने के उद्देश्य के लिए मूल छूट सीमा की गणना करते समय, आपको लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (दीर्घकालिक पूंजीगत लाभों) को भी शामिल करना होगा जिन पर आप छूट का दावा कर रहे हैं. यह छूट धारा 54, 54थ्, 54म्ब आदि के तहत हो सकती है।

धान की रोपाई करती दिखीं रिंकू सिंह की 'दुल्हनिया' प्रिया सरोज

मछलीशहर। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, श्हमारा गांवश्। फैंस उनके इस वीडियो पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा– सुपर एमपी जी। भारतीय खिलाड़ी रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की सगाई हो चुकी है। दोनों इस साल के अंत तक शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। दोनों अक्सर चर्चाओं में रहते हैं, लेकिन इस बार प्रिया अलग वजह से सुर्खियों में हैं। वह धान की बीज की रोपाई करती दिखीं। इसका वीडियो उन्होंने खुद ही शेयर किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, श्हमारा गांवश्। फैंस उनके इस वीडियो पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा– सुपर एमपी जी। आठ जून को रिंकू सिंह और मछलीशहर की सांसद प्रिया सरोज की सगाई लखनऊ में हुई थी। जल्द ही उनकी शादी की तिथि भी तय की जाएगी। लखनऊ के एक होटल में आयोजित भव्य सगाई समारोह में क्रिकेट, राजनीति और सिनेमा जगत की कई हस्तियां शामिल हुईं। क्रीम कलर की शेरवानी पहने रिंकू सिंह और हल्के गुलाबी रंग के लहंगे में सजी प्रिया कार्यक्रम में मौजूद लोगों की मुबारकबाद और अभिवादन स्वीकार करते हुए मंच पर पहुंचे और उन्होंने एक–दूसरे को अंगूठी पहनाई।

भव्य प्रभात

मेले में अकेला

विश्व स्वास्थ्य संगठन की वह रिपोर्ट चौंकाती है कि दुनिया में हर छठा इंसान अकेला है। दुनिया के करोड़ों लोग टूटे रिश्तों व संवाद से विलग होकर नितांत खामोशी का जीवन जी रहे हैं। सही मायनों में इंसान के भीतर की ये खामोशी लाखों जिंदगियां लील रही है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। निश्चय ही जीवन की जटिलताएं बढ़ी हैं। कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। पीढ़ियों के बीच का अंतराल विज्ञान व तकनीक के विस्तार के साथ तेज हुआ है। सोच के भौतिकवादी होने से हमारी आकांक्षाओं का आसमान ऊंचा हुआ है। लेकिन यथार्थ से साम्य न बैठा पाने से हताशा व अवसाद का विस्तार हो रहा है। जिसके चलते निराशा हमें एकाकीपन की ओर धकेल देती है। कहने को तो सोशल मीडिया का क्रांतिकारी ढंग से विस्तार हो रहा है। लेकिन इसकी हकीकत आभासी है। हो सकता है किसी व्यक्ति के हजारों मित्र सोशल मीडिया मंचों पर हों, लेकिन यथार्थ के जीवन में व्यक्ति बिल्कुल एकाकी होता है। आभासी मित्रों का कृत्रिम संवाद हमारी जिंदगी के सवालों का समाधान नहीं दे सकता। निश्चित रूप से कृत्रिम रिश्ते हमारे वास्तविक रिश्तों के ताने–बाने को मजबूत नहीं कर सकते। दरअसल, लोगों में यह आम धारणा बलवती हुई है कि जिसके पास पैसा है तो वह सबकुछ कर सकता है। जिसके चलते उसने आस–पड़ोस से लेकर कार्यस्थल पर सीमित पहुंच बनायी है। यही वजह है कि हमारे इर्द–गिर्द की भीड़ और ऑनलाइन जिंदगी के हजारों मित्रों के बावजूद व्यक्ति एकांत में जीने के लिये अभिशप्त है। सही बात ये है कि लोग किसी के कष्ट और मन की पीड़ा के प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करते। हर तरफ कृत्रिमताओं का बोलबाला है। हमारे मिलने–जुलने वाले त्योहार भी अब दिखावे व कृत्रिम सौगातों की भेंट चढ़ गए हैं। हमें उन कारकों पर मंथन करना होगा, जिनके चलते व्यक्ति निजी जीवन में लगातार एकाकी होता जा रहा है। विडंबना यह है कि कृत्रिमताओं के चलते कहीं न कहीं हमारे शब्दों की प्रभावशीलता में भी कमी आई है। कालांतर व्यक्ति लगातार एकाकी जीवन की ओर उन्मुख होना लगा है। हमारे संयुक्त परिवारों का बदलता स्वरूप भी इसके मूल में है। पहले घर के बड़े बुजुर्ग किसी झटके या दबाव को सहजता से झेल जाते थे। सब मिल–जुलकर आर्थिक व सामाजिक संकटों का मुकाबला कर लेते थे। शहरों की महंगी जिंदगी और कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना संकट को गहरा बना रहा है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति–पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हॉस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। धीरे–धीरे यह एकाकीपन अवसाद तक पहुंचता है। जो कालांतर एक ऐसे मनोरोग का रूप ले लेता है, जिसका उपचार कराने में भी पीड़ित व्यक्ति संकोच करने लगता है। इस स्थिति से व्यक्ति की वापसी सहज भी नहीं होती। जब हम डब्ल्यूएचओ के आंकड़े की बात करते हैं कि दुनिया में हर छठा व्यक्ति अकेलेपन की गिरफ्त में है तो उस कुल संख्या का अनुमान लगाना कठिन नहीं है, जो वास्तव में इससे पीड़ित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का वह आंकड़ा चौंकाता है कि अकेलापन हर साल तकरीबन आठ लाख लोगों की जीवन लीला समाप्त कर रहा है। जो यह दर्शाता है कि व्यक्ति न केवल समाज व अपने कार्यालयी परिवेश से अलग–थलग हुआ है, बल्कि वह परिवार से भी कटा है। पिछले दिनों देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने कार्यालयों में काम के घंटे बढ़ाने का आग्रह किया था। एक उद्यमी ने तो यहां तक कहा कि क्या जरूरी है कि घर में रहकर पत्नी का ही चेहरा देखा जाए। यह एक संवेदनहीन प्रतिक्रिया थी। पहले ही कार्य परिस्थितियों के दबाव से युवा पीढ़ी में कई तरह की समस्याएं देखी जा रही हैं। नई पीढ़ी मन में आक्रोश, आकांक्षाएं पूरी न होने की कसक व अरुचिकर परिस्थितियों के चलते पहले ही घुटन महसूस कर रही है। उस पर कार्य परिस्थितियों की जटिलता से उपजी कुंठा उन्हें एकाकी जीवन की ओर धकेल सकती है। ऐसे में सामाजिक जुड़ाव, संवाद व संवेदनशीलता ही एकाकीपन दूर करेगी।

संघ का शिक्षा एजेंडा: न पढ़ेंगे न पढ़ने देंगे

राजेन्द्र शर्मा

यह संयोग हर्गिज नहीं है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या आरएसएस की स्थापना की शताब्दी के इस वर्ष में शिक्षा का क्षेत्र और उसमें भी खासतौर पर आरंभिक शिक्षा का क्षेत्र लगातार खबरों में है। जाहिर है कि शिक्षा का यह क्षेत्र किन्हीं अच्छे कारणों से खबरों में नहीं है। वह नकारात्मक विवादों के लिए खबरों में है। इस क्रम में ताजातरीन विवाद, देश भर में स्कूली पाठ्यक्रमों के लिए मानक पाठ्यक्रम तथा पाठ्य पुस्तकें तैयार करने वाली केंद्रीय संस्था, राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद या एनसीईआरटी द्वारा आठवीं तक की कक्षाओं के लिए जारी की गयी सामाजिक विज्ञान की और उसमें भी विशेष रूप से इतिहास की पाठ्य पुस्तकों को लेकर उठा है। विवादित पाठ्य पुस्तकों में, इन्हीं विषयों की पिछली पाठ्य पुस्तकों से जो भारी बदलाव किए गए हैं, उनका मुख्य मकसद भारतीय इतिहास की और विशेष रूप से मध्यकालीन इतिहास की आरएसएस की सांप्रदायिक धारणाओं तथा आग्रहों को, लड़कपन की उम्र से ही बच्चों के मन में, इतिहास के रूप में बैठाना है। सहज ही यह अनुमान लगाया जा सकता है कि इसके लिए की गयी कतरब्योंत में मुस्लिम शासकों के दौर पर खासतौर पर कैंची चलायी गयी होगी। यहां तक कि टीपू सुल्तान और ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उसकी लड़ाइयों का जिक्र तो सिरे से ही गायब कर दिया गया है। सभी जानते हैं कि अपने राजनीतिक बाजुओं के जरिए, आरएसएस को जब से भी देश की सत्ता तक किसी भी तरह से पहुंच हासिल हुई है, उसने बच्चों की पाठ्यपुस्तकों के सांप्रदायिक पुनर्लेखन पर खास ध्यान दिया है। इस सिलसिले की औपचारिक शुरूआत तो 1978 में ही हो गयी थी, जब इमरजेंसी राज की हार के बाद बनी जनता पार्टी की सरकार के माध्यम से, पहली बार आरएसएस के राजनीतिक बाजू, जनसंघ को केंद्र में सरकार तक पहुंच हासिल हुई थी। यह दूसरी बात है कि आरएसएस से संबंध के रूप में दोहरी सदस्यता के मुद्दे पर, इमरजेंसी के विरोध के आधार पर बनी जनता पार्टी में विभाजन हो गया, जिसका जनसंघ घटक नयी राजनीतिक पार्टी का हिस्सा रहते हुए भी, आरएसएस के प्रति वफादारी बनाए रखने की छूट चाहता था। इस विभाजन के चलते जनता पार्टी की सरकार ज्यादा नहीं चल पायी। और चौतरफा विरोध के चलते, जिसमें खुद जनता पार्टी के दूसरे घटकों में से विरोध भी शामिल था, स्कूली पाठ्य पुस्तकों का सांप्रदायिक पुनर्लेखन करने की ये शुरूआती कोशिशें भी ज्यादा असर नहीं दिखा पायीं। इन कोशिशों को बड़ा बढ़ावा मिला 1998 में भाजपा के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने के बाद। वाजपेयी सरकार में शिक्षा मंत्रालय, मुरली मनोहर जोशी ने संभाला, जो एक ओर अगर शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े रहे थे, तो दूसरी ओर आरएसएस के बहुत पुराने स्वयंसेवक थे। 2004 तक चले इस दौर में बाकायदा इतिहास के पुनर्लेखन की घोषणाएं की गयीं और इतिहास की पाठ्य पुस्तकों में काट–छांट से लेकर, ज्योतिष, वास्तुशास्त्र जैसे पोंगापंथी विषयों को विधिवत पाठ्यक्रम में स्थान दिलाए जाने की शुरूआत की गयी। फिर भी, अब जो हो रहा है उसे देखते हुए, यह कहना ही पड़ेगा कि इतिहास का सांप्रदायिक पुनर्लेखन करने में मुरली मनोहर जोशी के नेतृत्व में शिक्षा मंत्रालय को तब, कोई बहुत ज्यादा सफलता नहीं मिल पायी थी। बेशक, इसका संबंध इससे भी है कि इन कोशिशों का राजनीतिक ही नहीं अकादमिक हल्कों से भी जो तीखा विरोध हो रहा था, उसकी थोड़ी–बहुत प्रतिध्वनि तत्कालीन सरकार में भी सुनाई देती थी, जो गठबंधन की मजबूरियों से भी मुक्त नहीं थी। फिर भी शिक्षा की धर्मनिरपेक्ष तथा जनतांत्रिक धारा को इस दौर में इतनी चोट तो पहुंचा ही दी गयी थी कि स्कूली शिक्षा को उसके धक्के से उबारते हुए, दोबारा पटरी में लाने के लिए, यूपीए के राज में काफी बड़ी कवायद करनी पड़ी थी। 2014 से भाजपा के नेतृत्व में, गठबंधन की मजबूरियों से मुक्त और आरएसएस के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप से युक्त सरकार आने के बाद से, 2004 में अधूरे छूट गए इतिहास के सांप्रदायिक पुनर्लेखन को आम तौर पर और स्कूली शिक्षा में खासतौर पर, ताबड़तोड़ आगे बढ़ाया गया है। आठवीं कक्षा तक की पाठ्यपुस्तकों का लगभग पूर्ण सांप्रदायीकरण, जिस पर इस समय बहस सुनाई दे रही है, इसी लंबी प्रक्रिया का नतीजा है। ताजातरीन झटके में, एक ओर तो मुस्लिम शासनों की चर्चा को इतना सिकोड़ दिया गया है कि रजिया सुल्तान तथा नूरजहां जैसे ताकतवर शासकीय व्यक्तियों का जिक्र ही गायब कर दिया गया है, तो दूसरी ओर बाबर से लेकर औरंगजेब तक, सभी मुगल शासकों को आधुनिक अर्थ में क्रूर, दमनकारी तथा धार्मिक अत्याचार करने वाले शासकों के रूप में चित्रित किया गया है और अकबर तक को नहीं बख्शा गया है। उसी परियोजना के दूसरे पहलू के रूप में हिंदू राजाओं के ठीक इन्हीं श्गुणोंश का जिक्र ही न करते हुए, उनका ज्यादा से ज्यादा महिमामंडन किया गया है। लेकिन, बात सिर्फ मुस्लिम शासकों को काले रंग से पोते जाने तक सीमित नहीं रहती है। इससे आगे, बाकायदा एक सामान्यीकरण तक भी जाती है, जिसमें खासतौर पर भारतीय इतिहास के मुस्लिम दौर को श्अंधेरे दौरश या अंधकार युग के रूप में चिन्हित किया गया है। यह सांप्रदायीकरण के सिलसिले को, गुणात्मक रूप से एक नये स्तर पर पहुंचा देता है। दिलचस्प यह है कि आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन के इतिहास की जानकारी नहीं रखने वालों को ही श्अंधेरे दौरश की इस खोज में कुछ भी नया लग सकता है। वास्तव में यह भारतीय इतिहास लेखन के उस पश्चिमी औपनिवेशिक मॉडल की ही नयी पैकेजिंग है, जिसमें ब्रिटिश–पूर्व भारतीय इतिहास को मोटे तौर पर मुस्लिम–पूर्व प्राचीन काल और मुस्लिम मध्यकाल में विभाजित किया जाता था। इसमें प्राचीन गौरवपूर्ण या स्वर्णयुग था और मध्यकाल, इस गौरव के हरण का काल यानी इस दृष्टिङ्क के हिसाब से हिंदुओं। और मुसलमानों के अनवरत टकराव का काल या हिंदुओं के दमन का काल। लेकिन, इस नयी पैकेजिंग में भी नया सिर्फ इतना है कि योरोपीय इतिहास के काल विभाजन में मध्य युग के लिए श्डार्क एजश की जिस संज्ञा का प्रयोग किया जाता है, उसी का ज्यों का त्यों अनुवाद कर दिया गया है। गैर–प्राचीन भारतीय इतिहास की, योरोपीय इतिहास से भिन्नता की कोई थोड़ी–बहुत गुंजाइश अब तक रहती भी थी तो उसे, इस अंधकार युग के आयात से पाट दिया गया है। स्कूली पाठ्य पुस्तकों के इस प्रसंग से ठीक पहले, स्कूली शिक्षा से ही संबंधित जो प्रसंग चर्चा में था, उसका संबंध हजारों की संख्या में सरकारी स्कूलों के बंद किए जाने से है। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में यह मामला चर्चा में आया था, जहां इसी साल स्कूलों के मर्जर के नाम पर 5 हजार से ज्यादा स्कूलों के बंद किए जाने की खबर आयी है। सत्ताधारी भाजपा के बहुत ही सख्त मीडिया नियंत्रण के बावजूद, सोशल मीडिया में और थोड़ा–बहुत परंपरागत मीडिया में भी, अपने स्कूल बंद किए जाने के खिलाफ छोटे–छोटे स्कूली बच्चों के भावुक करने वाले प्रदर्शनों ने ध्यान खींचा है। ये बच्चे रो–रोकर सरकार से गुहार लगा रहे थे कि उनके स्कूल बंद नहीं किए जाएं। इसी क्रम में जगह–जगह पर लगाए गए एक बैनर ने भी ध्यान खींचाकृमधुशाला नहीं, पाठशाला! दरअस्ल, यह बैनर भी तब वायरल हुआ जब योगी प्रशासन इस बैनर को हर जगह से हटवाने के लिए, सड़कों पर उतरा। कहने की जरूरत नहीं है कि मर्जर या तार्किकीकरण आदि, आदि नामों से, छात्रों की संख्या पचास से कम होने के आधार पर, सरकारी स्कूलों को ही बंद करने के इस खेल की, उत्तर प्रदेश–मध्य प्रदेश जैसे उत्तर भारतीय राज्यों में, जहां पढ़ाई का स्तर आम तौर पर काफी दरिद्र है, गरीबों की शिक्षा पर बहुत भारी मार पड़ रही है। याद रहे कि स्कूलों का बंद किया जाना, भाजपा सरकारों की नीति का ही हिस्सा है। तभी तो 2014 से अब तक, देश भर में पूरे 89,441 स्कूल इस तरह से बंद किए जा चुके हैं। और इनमें से 60 फीसद स्कूल मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश में ही बंद किए गए हैं। इस सब को देखते हुए हैरानी की बात नहीं है कि 2021 से 2024 के बीच तीन साल में देश भर में, पहली से आठवीं कक्षा तक के दो करोड़ छात्र पढ़ाई छोड़कर घर बैठ गए हैं। उत्तर प्रदेश में ही, जहां इस साल पांच हजार स्कूलों को बंद किया जा रहा है, 2022–23 और 2023–24 के बीच, 1,33,035 सरकारी प्राइमरी तथा मिडिल स्कूलों में, छात्रों के दाखिलों में पूरे 24 लाख की कमी हुई थी। इस तरह, नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के नाम पर, स्कूली शिक्षा के बुनियादी ढांचे को ही ढहाया जा रहा है। जाहिर है कि यह राजनीतिक स्वार्थों के लिए भावनाएं कुरेदने का ऐसा खेल है, जिसमें छात्रों के वास्तविक हितों की आहुति दी जाती है। एनईपी की आड़ में और आरएसएस के एजेंडे के खातिर, स्कूली शिक्षा के ही ध्वस्त किए जाने का ऐसा ही एक और प्रसंग जो पिछले दिनों चर्चा में रहा है, स्कूली शिक्षा में हिंदी थोपे जाने की कोशिशों का है। वैसे यह कोशिश हिंदी थोपने पर ही रुकने वाली नहीं है। जम्मू–कश्मीर से आ रहीं, उप–राज्यपाल के नेतृत्व में राज्य में स्कूली बच्चों पर संस्कृत थोपे जाने की खबरें, इस मुहिम के अगले चरण की ओर इशारा कर देती हैं। बहरहाल, जैसाकि महाराष्ट्र का पहली कक्षा से हिंदी अनिवार्य करने की।

सावन का महीना आध्यात्मिक दृष्टि से जितना पवित्र माना जाता है, उतना ही यह स्वास्थ्य के लिहाज से भी संवेदनशील होता है। बरसात के मौसम में वातावरण में अधिक नमी और तापमान में बदलाव की वजह से बैक्टीरिया और कीटाणु बहुत तेजी से पनपते हैं। ऐसे में कुछ खाद्य पदार्थों का सेवन आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है, जिनमें दूध और दही प्रमुख हैं।

सावन में दूध और दही क्यों नहीं खाने चाहिए?

बैक्टीरियल संक्रमण का खतराः दूध और दही जल्दी खराब होने वाले पदार्थ हैं। सावन में हवा में मौजूद नमी के कारण ये जल्दी खट्टे या संक्रमित हो सकते हैं, जिससेफूड पॉयजनिंग, पेट दर्द और एसिडिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

पाचन तंत्र पर असरः इस मौसम में पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है। दूध और दही भारी होते हैं, जिन्हें पचाना कठिन हो सकता है। इससे अपच या गैस की समस्या हो सकती है।

आयुर्वेद की मान्यताः आयुर्वेद के अनुसार, सावन में वात और कफ दोष बढ़ जाते हैं। दूध और दही इन दोषों को और बढ़ा सकते हैं, जिससे सर्दी, खांसी, जुकाम और एलर्जी हो सकती है।

किन चीजों से सावन में करना चाहिए परहेज?

–दही और छाछ, खासकर रात में बिल्कुल न खाएं।

–मांसाहारी भोजन, यह पचाने में भारी होता है और संक्रमण का खतरा बढ़ा सकता है।

–हरी पत्तेदार सब्जियां, इनमें कीड़े लगने की आशंका रहती है।

–भारी तेलयुक्त और तली–भुनी चीजें, ये पाचन तंत्र पर बोझ डालती हैं।

–कटे–फटे फल लंबे समय तक ना रखें, इन पर बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं।

–ठंडे पेय पदार्थ या आइसक्रीम, यह कफ और सर्दी बढ़ा सकते हैं।

क्या खाएं सावन में?

– हल्की और पचने में आसान चीजें जैसे मूंग दाल, खिचड़ी, फल, सूप

– उबली या भाप में पकी सब्जियां

–तुलसी, अदरक और काली मिर्च जैसे प्राकृतिक इम्युनिटी बूस्टर

– गर्म पानी और हर्बल चाय

सावन में खानपान पर ध्यान देना बहुत जरूरी है क्योंकि यह मौसम संक्रमण का खतरा बढ़ा देता है। दूध–दही जैसे भारी और जल्दी खराब होने वाले पदार्थों से बचना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। इस मौसम में हल्का, पचने में आसान और गर्म भोजन लें ताकि आप स्वस्थ और ऊर्जावान बने रहें।

आजकल हार्ट अटैक सिर्फ बुजुर्गों को ही नहीं, बल्कि युवाओं को भी तेजी से अपनी चपेट में ले रहा है। हाल ही में शेफाली जरीवाला की अचानक हार्ट अटैक से हुई मौत ने इस खतरे को और भी गंभीर बना दिया है। डॉक्टरों का कहना है कि हार्ट अटैक आने से पहले शरीर कुछ संकेत जरूर देता है। लेकिन अक्सर हम इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं, जो जानलेवा साबित हो सकता है।

हार्ट अटैक आने से 7 दिन पहले दिखते हैं ये 7 संकेत

सीने में दर्द या जकड़न

सीने के बीचोंबीच हल्का दर्द, जलन या दबाव महसूस होना हार्ट अटैक के सबसे सामान्य और शुरुआती लक्षणों में से एक है। यह दर्द स्थिर हो सकता है या कभी–कभी बढ़ भी सकता है। कई बार यह दर्द कुछ मिनटों के लिए होता है और फिर ठीक भी हो जाता है, लेकिन इसे हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। खासकर जब यह दर्द श्वास लेने या शारीरिक गतिविधि के दौरान बढ़ता है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

जरूरत से ज्यादा थकान

अगर आपको सामान्य कामकाज के दौरान भी असामान्य थकान या कमजोरी महसूस हो रही है, तो यह आपके दिल के कमजोर होने का संकेत हो सकता है। थकान इतनी ज्यादा हो सकती है कि रोजमर्रा के काम भी बोझ लगने लगें। महिलाओं में यह लक्षण ज्यादा दिखाई देता है क्योंकि वे अक्सर इसे तनाव या अनिद्रा की वजह से होने वाली थकान समझ बैठती हैं। परंतु यह हार्ट अटैक से पहले का एक महत्वपूर्ण चेतावनी संकेत हो सकता है।

सांस फूलना

सांस फूलना यानी सांस लेने में कठिनाई होना, खासकर बिना ज्यादा शारीरिक मेहनत किए भी, दिल के खराब होने का लक्षण हो सकता है। यह तब होता है जब दिल शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन युक्त रक्त नहीं पहुंचा पाता। इस समस्या से पीड़ित व्यक्ति को सीढ़ियां चढ़ने या थोड़ी दूर चलने में भी दिक्कत आ सकती है। सांस फूलने के साथ–साथ कभी–कभी खांसी या घबराहट भी महसूस हो सकती है।

चक्कर आना या सिर हल्का लगना

अचानक चक्कर आना या सिर हल्का–हल्का घूमना यह संकेत हो सकता है कि आपके दिल की धड़कन सही तरीके से रक्त प्रवाह नहीं कर पा रही है। इससे मस्तिष्क तक खून की आपूर्ति कम हो जाती है, जिसके कारण बेहोशी या अस्थायी चेतना खोने जैसी स्थिति भी हो सकती है। ऐसे लक्षणों को कभी भी हल्के में न लें, खासकर अगर यह बार–बार हो रहा हो।